

रामजीलाल बंनारस नारायणसिंह
वास्ता - 166/2013

09/01/24

फावली पैसा हुई। वकील का बि
अकवा वरि की ओर से कोई
शाखित पक्ष है। बार - बार कावाज
लागवरी गई। बावजूद कावाज
है भी कोई शाखित पक्ष आय
है। इस वरि का वास्ता किस
पैरवी . डिफेंस हाजरी में शारीज
दिया जाता है। फावली पैसल
शुभार होकर नम्बर से कम
है। काखिल कपलर है।



अति
मुद्रा निवृत्त
अति

डॉक्टर
दोसा (राज)

